‘हंगामा है क्यूं बरपा जो शीला ने खरी-खरी कह दी है’

दिल्ली आने वाले यूपी-बिहार के लोगों के बारे में पिछले हफ्ते दिए गए मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बयान ने राजनीति में तूफान ला दिया। विपक्षी दलों ने बयान की निंदा की, संसद में हंगामा हुआ और उसका कामकाज ठप रहा। खुद कांग्रेस के भी बड़े नेताओं की भौंहें चढ़ी नजर आईं और आलाकमान के दबाव में मुख्यमंत्री को अपने बयान को लेकर दो बार माफी मांगनी पड़ी। इसके बाद ही मामला शांत हुआ। लेकिन सियासत के दांवपेंच से अलग शीला का बयान दिल्ली की हालत और समस्याओं से भी जुड़ा हुआ था। पेश हैं शीला के बयान पर आम लोगों की चुनिंदा प्रतिक्रियाएं :

खैराती लाल भोला, राजा गार्डन : देश के प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार प्राप्त है कि वह देश के किसी भी कोने में जाकर रहकर अपना काम धंधा कर सके। जब गांवों में रोजगार नहीं मिलेगा तो वह शहर में आकर बसेगा।

मो. अहमद, दरियागंज : शीला का बयान बिल्कुल सही है आबादी बढ़ने से दिल्ली के लोगों को परेशानी होती है।

प्रेम चंद बिलाला, आईपी एक्सटेंशन : देश की राजधानी होने के नाते पड़ोसी राज्यों से कामकाज के सिलसिले में लोग दिल्ली आते है। इसका सीधा असर दिल्ली की मूलभूत सुविधाओं पर पड़ता है। इसलिए मुख्यमंत्री का बयान सही है।

प्रवीण शंकर कपूर, फतेहपुरी : आबादी का असर बुनियादी सुविधाओं पर पड़ता है। पिछले 40 सालों से इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। हर साल दिल्ली की आबादी में 5 लाख लोग जुड़ जाते है। इसलिए मुख्यमंत्री का बयान सही है।

प्रमोद कुमार, फतेहपुरी : शीला ने जो बयान दिया है वह सही है। जितने भी लोग बाहर से आ रहे है उससे दिल्ली के लोगों को परेशानी होती है। रोजगार घट रहे हैं। इसलिए बाहरी लोगों पर रोक लगनी चाहिए।

जुगल किशोर, सिविल लाइन : मुख्यमंत्री ने सच्चाई को स्वीकार करने की हिम्मत दिखाई। यही हालात रहे तो अगले दस साल में दिल्ली बहुत बड़े स्लम में बदल जाएगी। शीला को अपने बयान के लिए माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं थी।

दीपिका तनेजा, मयूर विहार फेज वन : शीला दीक्षित ने जो बयान दिया है वह सही है। लोग ज्यादा होंगे तो बिजली-पानी की समस्या बढ़ जाएगी। इसलिए आबादी पर रोक लगनी चाहिए।

सुदेश अनिल, शाहदरा : शीला दीक्षित ने बयान दिया है वह सही है। बाहर से आने वाले लोगों की वजह से दिल्ली पर बोझ बढ़ा है। कुछ लोग उनके बयान पर राजनीति कर रहे है। जबकि किसी

शुभम सोलंकी, पूठ कला : शीला का बयान आपत्तिजनक है। भारत के प्रत्येक इंसान को दिल्ली में रहने का अधिकार है। दिल्ली की भीड़ खत्म करने के लिए बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा जाना चाहिए। बांग्लादेशी यहां लाखों की संख्या में अवैध रूप से रह रहे हैं।

संदीपन, शाहदरा : बाहरी राज्यों से दिल्ली आने वाले लोगों के लिए कोई नियम कानून बनाया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर दिल्ली में बिजली, पानी और परिवहन की समस्या पैदा होना स्वाभाविक है।

टाइम्स लाइन

एम. डी. पांडेय, रोहिणी : शीला का बयान सही है। उस पर विवाद खड़ा करना ठीक नहीं है।

अनिल शर्मा, सब्जी मंडी : शीला दीक्षित के विरोधी उनके इस बयान का फायदा उठाकर अपना उल्लू सीधा करना चाहते है। मीडिया ने भी उनके बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया है।

मोनिका शर्मा, पालम कॉलोनी : मुख्यमंत्री ने जो बयान दिया है वह सही है। दूसरे राज्यों के लोग यदि इसी रफ्तार से आकर दिल्ली में बसते रहते तो यहां की व्यवस्था चरमरा जाएगी।

रमेश बैनीवाल, वजीराबाद गांव : शीला के बयान में कुछ भी गलत नहीं है। कोई ऐसा फार्म्युला तैयार करना होगा जिससे दिल्ली की जनसंख्या को नियंत्रित किया जा सके। अन्यथा दो दशक बाद दिल्ली की स्थिति विस्फोटक हो सकती है।

पी. एस. आजाद, चांदनी चौक : शीला ने यूपी-बिहार की जनता को नहीं कोसा, बल्कि वहां की सरकारों को कोसा है क्योंकि वे लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पाती हैं और इसी वजह से लोग दिल्ली छोड़कर नहीं जाते।

आलोक, फर्श बाजार : मुख्यमंत्री ने जो बयान दिया वह सही है। दिल्ली में यहां के लोगो की तुलना में बाहर के लोगो की संख्या ज्यादा है। इससे यहां कानून-व्यवस्था की दिक्कत भी लगातार

शीला दीक्षित के बयानों की बानगी

9 मई : हर साल यूपी, बिहार से बड़ी तादाद में लोग दिल्ली आते हैं, लेकिन इनमें से कोई वापस नहीं जाना चाहता। दिल्ली सरकार के पास ऐसा कोई कानूनी अधिकार नहीं है कि इन लोगों को दिल्ली आने से रोका जा सके या वापस भेजा जा सके।

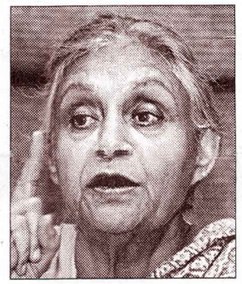

9 मई : मैंने ऐसा कुछ नहीं कहा कि लोग कहां से आकर यहां बस रहे हैं। मैं खुद उत्तर प्रदेश की हूं, तो अपने या दूसरे प्रदेश के लोगों के बारे में ऐसा बयान कैसे दे सकती हूं। दूसरे राज्यों से यहां आने वाले लोगों को आहत करने का मेरा कोई इरादा नहीं था।

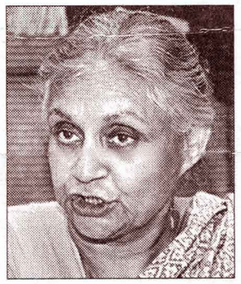

10 मई : दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है। वैसे भी यह हमेशा आकर्षण का केंद्र रही है। यहां देश के हर हिस्से से आने वाले लोग आकर बसते हैं। मुझे दुख है कि मेरे बयान से लोकसभा में हंगामा हुआ। मैं इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम के लिए माफी मांगती हूं।

‘बढ़ती आबादी पर सीएम की चिंता जायज है’

आर. जी. गुप्ता
योजनाकार

दिल्ली की बढ़ती आबादी और शहर के मूलभूत ढांचे पर पड़ रहे उसके असर के बारे में मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की चिंता जायज है। हालांकि मुख्यमंत्री की चिंता को दूसरे अर्थों में ले लिया गया। चूंकि इस शहर की सीमा पहले से ही तय है और उसे आगे बढ़ाया नहीं जा सकता इसलिए लगातार बढ़ती आबादी का हल खोजना जरूरी है। भले ही मुख्यमंत्री ने इस मसले पर अब चिंता जताई हो लेकिन 1985 में दिल्ली की बढ़ती आबादी से चिंतित होकर ही सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) कानून बनाया था ताकि दिल्ली के आसपास के शहरों को विकसित किया जाए। सरकार ने यह कानून और बोर्ड तो बना दिया लेकिन उसे कोई कानूनी अधिकार नहीं दिए गए। नतीजतन बोर्ड के बनने के बावजूद दिल्ली के आसपास के राज्यों में तेजी से विकास नहीं हुआ।